भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *17
दिनांक 27 नवम्बर, 2024 / 06 अग्रहायण, 1946 (शक) को उत्तर के लिए

आपदा जोखिम का न्यूनीकरण किया जाना

***17# श्रीमती दर्शना सिंहः**

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने प्रधानमंत्री के 10 सूत्री कार्यक्रम के तहत आपदा जोखिम का न्यूनीकरण करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों का कोई नेटवर्क स्थापित किया है, यदि हां, तो उक्त नेटवर्क का ब्यौरा क्या है;
(ख) इस नेटवर्क में शामिल होने वाले शैक्षणिक संस्थानों की संख्या कितनी है; और
(ग) इस नेटवर्क का महत्व क्या है और आपदा न्यूनीकरण में इससे क्या लाभ होगा?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री नित्यानंद राय)

(क) से (ग): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या *17 दिनांक 27.11.2024

"आपदा जोखिम न्यूनीकरण" के संबंध में दिनांक 27.11.2024 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या *17 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): माननीय प्रधानमंत्री ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर नवम्बर, 2016 में नई दिल्ली में आयोजित एशियन मिनिस्ट्रियल कॉन्फ्रेंस के दौरान आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) पर एक 10-सूत्री कार्यक्रम प्रतिपादित किया था। इस 10-सूत्री कार्यक्रम के बिन्दु संख्या 6 (आपदा के मुद्दों पर काम करने के लिए विश्वविद्यालयों का एक नेटवर्क विकसित करना) के अनुसरण में, सरकार ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के तत्वावधान में, भारतीय विश्वविद्यालय और संस्थान आपदा जोखिम न्यूनीकरण नेटवर्क (आईयूआईएनडीआरआर) स्थापित किया है। यह आपदा जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित क्षेत्रों में शिक्षा और अनुसंधान करने वाले विश्वविद्यालयों और संस्थानों का एक नेटवर्क है। आईयूआईएनडीआरआर के अंतर्गत शिक्षा, ज्ञान के सृजन, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और प्रचार-प्रसार के माध्यम से आपदाओं के प्रति सुरक्षित और प्रतिरोधी राष्ट्रों और समुदायों के निर्माण की परिकल्पना की गई है। नेटवर्क आपदा जोखिम प्रबंधन से संबंधित ज्ञान संसाधनों को आपस में और डीआरआर पर काम करने वाले हितधारकों के बड़े समूह के साथ भी साझा करता है।

(ख): अब तक, 318 विश्वविद्यालय एवं संस्थान आईयूआईएनडीआरआर में शामिल हो चुके हैं।

(ग): डीआरआर संबंधी नेटवर्क के प्रमुख महत्व और लाभ निम्नलिखित हैं:

1. उच्च शिक्षा में डीआरआर को मुख्यधारा में शामिल करना:
    i. आईयूआईएनडीआरआर ने पूर्वस्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) दोनों स्तरों पर उच्च शिक्षा में डीआरआर को शामिल करने के लिए एक मॉडल पाठ्यक्रम विकसित किया है।
    ii. उच्च शैक्षणिक संस्थानों में डीआरआर को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए, आईयूआईएनडीआरआर ने आपदा प्रबंधन विषय को यूजीसी-नेट परीक्षा में शामिल करने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को एक प्रस्ताव भेजा था। यूजीसी ने उक्त प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और आपदा प्रबंधन विषय को दिसम्बर, 2024 से नेट परीक्षा में शामिल कर दिया गया है।

2. शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और प्रैक्टिशनर को शामिल करते हुए, फासले को कम करना:
   आईयूआईएनडीआरआर के अंतर्गत निम्नलिखित को स्थापित किया गया है:
   i. आपदा संबंधी अध्ययनों के लिए डॉक्टोरल फेलोशिप प्रोग्राम; और
   ii. शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से एक्शन रिसर्च संबंधी अनुसंधान परियोजना।

3. राज्यों की क्षमता को सुदृढ़ करना:
   आईयूआईएनडीआरआर, राज्यों और जिला अधिकारियों को DRR के क्षेत्र में सहायता प्रदान करने के लिए, क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षाविदों की क्षमता का निर्माण करता है।

******